ऊपर से नीचे

1. रावण, लंकेश, दशानन (2-2), 2. पक्षपात (3), 3. मृत्यु का देवता (4), 4. पग, डग (3), 5. विद्रोह, विप्लव (4), 6. चौखट, मूल्य, दाम (2), 11. वर्षा, बरसात (3), 12. आना-जाना, गमनागमन (5), 13. तीन घंटे का समय, याम (3), 14. कामना (3), 15. सर्दी में होने वाली बरसात (3), 19. किनारा, कूल (2), 21. महाशय, महोदय (4), 23. रंज, पछतावा, अफसोस (3), 24. अत्याचार, जुल्म (3), 25. स्मरण, स्मृति (2), 27. बायां, विरुद्ध (2)

हल 4544

...ही 3 गुणा 3 के बॉक्स में 1 से 9 तक अंक आएं। कोई अंक दुबारा नहीं आए।

5	2	8	4	6	9	1	3	7
1	3	7	5	2	8	4	6	9
4	6	9	1	3	7	5	2	8
8	5	2	9	7	4	6	1	3
6	4	1	8	5	3	9	7	2
9	7	3	2	1	6	8	5	4
3	8	5	6	9	2	7	4	1
2	1	4	7	8	5	3	9	6
7	9	6	3	4	1	2	8	5

ANCHOR सीरी के इंक्यूबेशन सेंटर में आयोजित हुई कार्यशाला

कुछ मिनटों में दूर होगा बैक्टीरिया

पत्रिका PLUS रिपोर्टर

जयपुर ◆ यदि आप अस्थमा या अन्य श्वास संबंधी बीमारी से पीड़ित हैं तो उसके लिए जल्द ही वायु शुद्धिकरण यंत्र (एयर प्यूरीफायर) के लिए पारा मुक्त प्लाजमा यूवी लैंप आने वाला है। इस यंत्र की खास बात यह है कि दूषित बैक्टरिया को यह कुछ मिनटों में खत्म कर देगा जोकि स्वास्थ्य की दृष्टि से कारगर सिद्ध होगा। पिलानी स्थित राष्ट्रीय अनुसंधान प्रयोगशाला सीएसआईआर सीरी के मालवीय नगर स्थित इनक्यूबेशन और इनोवेशन केंद्र में सोमवार को एमएसएमई और स्टार्टअप के लिए एक प्रौद्योगिकी पोर्टफोलियो कार्यशाला में दी गई।

वहीं इनोवेशन में रुचि रखने वाले स्टूडेंट्स शहर में अब अपने सपनों को साकार कर पाएंगे। इसके लिए अपेक्स सर्किल स्थित केन्द्रीय इलेक्ट्रॉनिकी अभियांत्रिकी अनुसंधान संस्थान में इसकी कवायद शुरू हो चुकी है। जयपुर केंद्र के प्रभारी वैज्ञानिक डॉ. रामप्रकाश विभाग ने बताया कि इसके लिए स्टूडेंट्स को फंड भी उपलब्ध करवाया जाएगा। स्टूडेंट्स खुद के आइडिया और यहां के साइंटिस्ट के आइडिया को इन्क्यूबेशन सह इनोवेशन केन्द्र में रिप्रजेंट कर सकेंगे। संस्थान की ओर से इनक्यूबेशन यूनिट और सार्वजनिक अनुसंधान और प्रौद्योगिकी विकास केन्द्र स्थापित किया जा चुका है। विभाग के द्वारा मेक इन इंडिया मिशन के तहत विकसित ग्रामीण अर्थव्यवस्था को प्रभावित करने वाली प्रौद्योगिकियों को नए स्टार्टअप के जरिए प्रयोगशाला से वास्तविक उपयोगकर्ता तक पहुंचाना और नए युवा उद्यमियों को उद्यम स्थापित करने के लिए प्रेरित और प्रोत्साहित भी किया जाएगा। इस दौरान जयपुर केंद्र के प्रभारी वैज्ञानिक डॉ. रामप्रकाश, संस्थान के मुख्य वैज्ञानिक और पीएमबीडी प्रमुख डॉ. एस अली अकबर भी मौजूद रहे।

30 लाख का अनुदान

इस मौके पर मुख्य अतिथि के तौर पर राष्ट्रीय अनुसंधान विकास निगम के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक डॉ. एच पुरुषोत्तम मौजूद रहे। वहीं विशिष्ट अतिथि के तौर पर सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम एमएसएमई विकास संस्थान के निदेशक एम.के. सारस्वत मौजूद रहे। केंद्र स्थापित करने के लिए डीएसटी, राजस्थान सरकार द्वारा सीएसआईआर सीरी को 30 लाख का अनुदान दिया है। संस्थान के निदेशक प्रो. शान्तनु चौधरी ने नए उद्यमियों को स्टार्टअप शुरू करने के लिए आमंत्रित किया।

टेक्नोलॉजी पर चर्चा

कार्यशाला में त्रिवेंद्रम की एक कंपनी से पानी और हवा के शुद्धिकरण के लिए पारामुक्त युवी लैम्प और एयर प्यूरीफायर के लिए हस्तांतरण किया जा चुका है। इस दौरान दूध में मिलावट और अन्य मापदंडों का विश्लेषण, सोलर पीवीटी, माइक्रो हॉट प्लेट टेक्नोलॉजी पर चर्चा की गई।